

जी-20 से देश को मिलेगा नया आयाम

सेमिनार और कार्यकारिणी सभा में कोयले से बिजली उत्पादन को कम करने का सुझाव

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। सेंट्रल यूपी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से सिविल लाइंस स्थित होटल में सेमिनार और कार्यकारिणी सभा आयोजित हुई। जी-20 सम्मेलन का भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव विषय पर वक्ताओं ने विचार साझा किए। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को नया आयाम मिलने की उम्मीद जताई।

मुख्य वक्ता डॉ. सौरभ गुप्ता ने जी-20 सम्मेलन से ऑटोमोबाइल, मोबाइल फोन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के लिए बाजार एवं निवेश के अवसरों



सेंट्रल यूपी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री वेलफेयर एसोसिएशन के सेमिनार और कार्यकारिणी सभा में मौजूद वक्ता व पदाधिकारी। संकाय

में बढ़त की उम्मीद जताई। साथ ही, खाद्य सुरक्षा एवं पोषण के उच्चस्तरीय सिद्धांतों में सुधार के अवसर बढ़ाने, जलवायु अनुकूल कृषि के ज़निवादी ढांचे के निर्माण

पर जोर दिया।

डॉ. मोहम्मद दर्निश चिरतो ने कोयले से बिजली उत्पादन को चरणबद्ध तरीके से कम करने के प्रयासों में तेजी लाने, साल 2070

तक कार्बन तटस्थता प्राप्त करने, जैविक ईंधन का रोडमैप तैयार होने आदि की उम्मीद जताई। उपस्थित उद्योग सर्वेक्षक शुकला ने सभी सदस्यों को नई औद्योगिक नीति के बारे में विस्तार से बताया।

इससे पहले संस्था के अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल, सचिव अल्पित अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान संस्था के पूर्व अध्यक्ष सुरेश सुन्दरानी, किशोर कटारू, दिनेश गोवल, रवि प्रकाश अग्रवाल, एसके सिंह, विमल रेखाड़ी, विनोद घोष, सूनैत मूना, मुनीश मिश्र, पुनीत सक्सेना, राजीव सिंघल, राहुल अग्रवाल आदि मौजूद रहे।